आरती श्री णमोकार की

ॐ णमो अरिहंताणं, स्वामी णमो अरिहंताणं,
णमो सिद्धाणं णमो आयरियाणं,
णमो सिद्धाणं णमो आयरियाणं,

णमो उवज्झायाणं, ॐ णमो लोय सव्व साहूणं। टेक।।

प्रथमहि श्री अरिहंत जिनेश्वर गुण अनन्तधारी,
स्वामी गुण अनन्तधारी।
ज्ञान अनन्ते दर्श अनन्ते, ज्ञान अनन्ते दर्श अनन्ते,
सुख बल भण्डारी, ॐ णमो अरिहंताणं.....।।१।।

दूजै सिद्ध सदा सुखदाता, शिवपुर के वासी,
स्वामी शिवपुर के वासी।
पूर्ण शुद्ध परमातम प्रभुजी, अविचल अविनाशी।
ॐ णमो प्रभु सिद्धाणं। ॐ णमो अरिहंताणं.....।।२।।

तीजे श्री आचार्य परमगुरु, छत्तीस गुणधारी,
स्वामी छत्तीस गुणधारी।
पंचाचार अचारी स्वामी मुनिसंध संचारी।
ॐ णमो आयरियाणं। ॐ णमो अरिहंताणं.....।।३।।

चौथे श्री उवज्झाय गुरुजी, स्वाध्याय धारी,
स्वामी स्वाध्याय धारी।
ग्यारह अंग पूर्व चौदह के, ग्यारह अंग पूर्व चौदह के,
नित अभ्यासकारी। ॐ णमो उवज्झायाणं।
ॐ णमो अरिहंताणं।

पंचम सब मुनिराज लोक के, रत्नत्रय धारी,
स्वामी रत्नत्रय धारी।
आठ बीस गुण मूल सहित नित, स्वामी शुद्धातम धारी।
ॐ णमो सव्व साहूणं।। ॐ णमो अरिहंताणं.....।।४।।